7 जुलाई 2017 को ब्रिलिएंट कॉन्वेंशन सेंटर, इन्दौर के इम्पीरियल हॉल में IBC24–स्वर्णशारदा स्कॉलरशिप कार्यक्रम 2017 के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण।

1. आज IBC24 स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप कार्यक्रम में आप सबके बीच यहां आकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। मैं यहां पुरस्कार पाने वाले सभी बालिकाओं एवं प्रतिभावान छात्रों का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए शुभाशीष देती हूं। आपने अपनी मेहनत, लगन एवं बुद्धि के उपयोग से जो शानदार परिणाम हासिल किया है उसके लिए मैं आप सबको बधाई देती हूं। वह आपके जीवन को सफल दिशा तो देगा ही, साथ ही अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी सिद्ध होगा।

2. आप सबने भविष्य के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, उसकी प्राप्ति के लिए आपको शुभकामनाएं देती हूं। उम्र की इस अवस्था में ऊर्जा के channelized एवं सम्यक् उपयोग से भविष्य में रचनात्मक एवं सृजनात्मक कार्य करने के लिए आपको अनेक अवसर उपलब्ध होंगे। आप सभी प्रेरणा के स्रोत हैं एवं भारत के भविष्य के निर्माता भी। उदाहरण के रूप में शिवपुरी की दीपाली शर्मा, जिन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, वे अपने शहर में हरियाली बढ़ाने को एक महत्वपूर्ण कदम मानती हैं एवं निरंतर पौधारोपण करती हैं और दूसरों को भी प्रेरित करती हैं। उसी तरह इन्दौर की आतिशा गुप्ता एवं धार की बेटी ज्योति अटालिया के भी अपने–अपने सपने हैं, वहीं बुरहानपुर की समीक्षा डॉक्टर बनना चाहती हैं। जहां बैतुल की रक्षा चौरे को आईएएस बनना है वहीं होशंगाबाद की दुर्गा पटेल बेसहारा बच्चों को पढ़ाना चाहती हैं। विषम परिस्थितियों के होते हुए भी कई बालिकाओं ने धीरज,

दृढ़संकल्प, साहस, अपनी ओजस्वी प्रतिभा एवं तेजस्विता का परिचय दिया है एवं दूसरी बालिकाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हैं। किसी राष्ट्र के निर्माण में युवा वर्ग की ऊर्जा, इच्छाशक्ति, कार्यकुशलता, नैतिक सुदृढ़ता एवं राष्ट्र के प्रति निष्ठा महत्वपूर्ण आधार सामग्री होती है। उक्त आधार सामग्री को तैयार करने में अध्यापकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इसके लिए वे सभी अध्यापकगण भी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने आप सबमें विद्या के बीज अंकुरित किए।

3. आप लोग भलीभांति परिचित हैं कि मीडिया का हमारे जीवन में कितना प्रभाव होता है। आज दुनिया के किस कोने में क्या चल रहा है, हमें तुरन्त इसका पता चल जाता है। यह real time news का युग है और इससे मीडिया की जिम्मेदारी और महत्वपूर्ण हो गई है। एक संतुलित इकाई के रूप में एवं सटीक खबरों को आगे लाने से एक जागरूक एवं सकारात्मक समाज का निर्माण होता है।

4. **स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि जब छात्र विद्यालय तक नहीं पहुंच पाते हैं तो विद्यालय को छात्रों तक पहुंचना होगा।** सभी विद्यार्थियों तक विद्यालयों की पहुंच की दिशा में सरकार, समाज, शिक्षकगण और ऐसी संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। जब सरकार का हाथ बंटाने समाज आता है तो आप उसके प्रभाव की कल्पना कर ही सकते हैं। स्वच्छता अभियान की व्यापकता इस बात का ज्वलन्त उदाहरण है। कहते हैं कि अभावों में प्रतिभाएं पलती हैं लेकिन उन प्रतिभाओं को संभालने एवं संवारने की जरूरत है। प्रतिभाएं शिक्षा के किसी भी क्षेत्र में हों, चाहे वो पढ़ाई–लिखाई हो, खेलकूद हो, नृत्य–संगीत हो, उसको प्रोत्साहित करने एवं संवारने की जिम्मेदारी शिक्षक एवं समाज की ही है।

5. शिक्षा कोई समय के साथ बदलने वाली चीज नहीं है। ''प्रशिक्षण'' अवश्य समय के साथ बदलता है। शिक्षा से आपमें सही दृष्टिकोण, सही विचार एवं निर्णय लेने की क्षमता पैदा होती है। नेल्सन मंडेला ने कहा है कि शिक्षा सबसे ताकतवर हथियार है जिसका इस्तेमाल आप दुनिया बदलने के लिए कर सकते हैं। मेरा मानना है कि शिक्षा के मायने केवल अंकों की होड़ नहीं है या डिग्रियों का जोड़ नहीं है। शिक्षा अनुशासन, आत्मसंयम, आत्मविश्वास, संस्कार एवं कौशल का संगम है। शिक्षा एक सर्वांगीण विकास है। ये आपको क्या सही है और क्या गलत है, की विवेचना करने की शक्ति प्रदान करती है? शिक्षा स्वावलम्बन है। स्वाभिमान है। पहचान है। स्वतंत्रता है।

6. कुछ बच्चे स्कूल जाने से वंचित हैं और कुछ बच्चे स्कूल जाना नहीं चाहते हैं। बच्चों को स्कूल जाने के लिए रूचि या खुशी क्यों हो, हम सबको इस दिशा में सोचने की जरूरत है। हम कुछ ऐसा कर सकते हैं कि सीमित संसाधनों जैसे स्कूल के कमरों की दीवारों, मैदान और बरामदों का सृजनात्मक उपयोग करें जिससे बच्चों को स्कूल जाने के प्रति उत्सुकता बढ़े और वे स्कूल जाना चाहें। आजकल एक गीत को हम खूब सुनते हैंः–

''रोके से न रूके हम, बादल सा गरजे हम,

स्कूल चले हम।''

यह कर्णप्रिय ही नहीं है बल्कि सकारात्मक संदेश का प्रसार करता है।

7. जब मैं छोटी थी तब मैंने अपने विद्यालय की लाइब्रेरी की लगभग 80 प्रतिशत किताबें पढ़ ली थीं। मेरी किताबें पढ़ने की यही रूचि मुझे समय–समय पर मेरा मार्गदर्शन करती रहती है। ऐसा नहीं कि केवल पुस्तक का ज्ञान ही सबकुछ है।

हमारे आस–पड़ोस में जो भी घटनाएं होती हैं वे भी शिक्षा का स्रोत होती हैं। अनेक ऐसे महान व्यक्तित्व हैं जैसे रानी लक्ष्मीबाई, जीजाबाई, अहिल्याबाई, महाराणा प्रताप, महात्मा गांधी एवं नेपोलियन इत्यादि, जिनका जीवन पुस्तक की तरह है एवं उनकी जीवनी से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से मैं यह कहना चाहूंगीः– **Information is to gather data, knowledge is to know how to use the information one is having while wisdom is to know when and where to use the knowledge one is having. To acquire knowledge one must study, but to acquire wisdom, one must observe.**

8. आज का दौर Innovative ideas और Technical advancements का है। ISRO रोज नए–नए satellite अंतरिक्ष में भेज रहा है। देश तकनीकी प्रगति के शिखर को छू रहा है। तकनीक आपके हाथ में हैं। हम online सवालों के हल जान सकते हैं, शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। आप सोशल मीडिया पर आस–पास में होने वाले प्रेरणादायी कार्यों को भी शेयर करें। जैसे पढ़ाई से संबंधित, खेती, बागबानी, स्वच्छता और खेलकूद से संबंधित छोटी–छोटी पंरतु महत्वपूर्ण जानकारियां इत्यादि। मोबाइल आपके हाथों में है। तकनीक का सदुपयोग करके आप अपने एवं साथियों को स्वच्छता, पर्यावरण की रक्षा एवं बीमारियों की जागरूकता से संबंधित कई गतिविधियां सोशल मीडिया पर शेयर कर सकते हैं। आप व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर अध्ययन संबंधी गतिविधियों के साथ–साथ प्रेरक एवं motivational videos वायरल कर सकते हैं जिससे समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुंचे। यदि आप किसी ऐतिहासिक स्थल पर घूमने गए है तो उस ऐतिहासिक

स्थल की फोटो जानकारी सहित सोशल मीडिया पर शेयर करें ताकि दुनिया को उसके बारे में पता चले। जैसे कोई सांची स्तूप जाएं, या योगमाया मन्दिर, या भेड़ाघाट, कोई चन्देरी जाएं, कोई बुरहानपुर जाए, तो वहां के दर्शनीय स्थलों की फोटो एवं उसके संबंध में जानकारी व्हाट्सएप पर शेयर करें ताकि हमारे प्रदेश की जानकारी दुनिया तक पहुंचे।

9. स्वतंत्र भारत को और शक्तिशाली एवं विश्वगुरू बनाने के लिए मीडिया की भी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मीडिया के लोग, मीडिया के संवाददाता एवं प्रस्तुतकर्ता लोगों विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणा के स्रोत होते हैं। **सच की तह तक पहुंचना ही पत्रकारिता की fairness और objectivity है। यह बिल्कुल सही है कि मीडिया समाज का दर्पण है और वह हमें आइना दिखाता है। लेकिन मीडिया द्वारा किए गए ऐसे सकारात्मक कार्य सामाजिक चेतना को जागृत करते हैं और उनका दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है।**

10. बेटियों की शिक्षा एवं उनकी प्रतिभाओं का सम्मान वास्तव में समाज और देश के निर्माण से संबंधित है। किसी ने कहा है और मैं उसे उद्धृत करती हूं:–

"You educate a man, you educate a man; you educate a woman you educate a generation".

एक अच्छे, स्वस्थ और संस्कारी समाज के निर्माण के लिए स्त्री शिक्षा सहित सबकी शिक्षा अनिवार्य है।

11. मैं इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए IBC24–चैनल की पूरी टीम एवं संबंधित व्यक्तियों को पुनः बधाई देती हूं। और आशा करती हूं कि वे इसी प्रकार तेजस्वी बालिकाओं एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को और समाज में सकारात्मक कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करते रहेंगे।

धन्यवाद।

———